



सं.158

जुलाई-सितंबर 2018

ISSN 0972-2386



कडलमीन

सी एम एफ आर आई समाचार

<http://www.cmfri.org.in>

कडलमीन

കടൽമീൻ

கடல்மீன்

కడల్మీన్

കടൽമീൻ

കടൽമീൻ

കടൽമീൻ

കടൽമീൻ



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

अलंकारी मछलियों पर नेटवर्क कार्यक्रम का लॉन्चिंग

कृपया पृष्ठ सं. 3 देखें

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान

पी. बी. सं 1603, एरणाकुलम नोर्त पी. ओ., कोचीन - 682 018, केरल, भारत

अलंकारी मछली प्रजनन और पालन पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम का लॉन्चिंग	3
अनुसंधान मुख्य अंश	8
प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
कार्यशाला	12
पुरस्कार एवं मान्यताएं	14
आगंतुक	15
राजभाषा कार्यान्वयन	16
प्रदर्शनियाँ	18
कृ वि कें समाचार	20
मानव संसाधन विकास	21
कार्यक्रम सहभागिता	21
कार्मिक समाचार	23

प्रकाशक

डॉ. ए. गोपालकृष्णन

निदेशक

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
पोस्ट बॉक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्त पी. ओ.
कोच्ची - 682 018, केरल, भारत
दूरभाष: 0484-2394867
फैक्स: 91-484-2394909
ई-मेल: director.cmfri@icar.gov.in
वेबसाइट: www.cmfri.org.in

संपादक

डॉ. यु. गंगा

संपादकीय समिति

डॉ. रेखा जे. नायर
डॉ. के. आर. श्रीनाथ
डॉ. एन. एस. जीना
श्रीमती ई. के. उमा
श्री अजु के. राजु

संपादन सहायता

श्री अरुण सुरेन्द्रन
श्री सी. वी. जयकुमार
श्री पी. आर. अभिलाष

निदेशक कहते हैं



मात्स्यिकी क्षेत्र में अनंत साध्यताओं को लक्षित करते हुए प्रारंभ किए गए दो कार्यक्रम याने कि अलंकारी मछली प्रजनन पर नेटवर्क परियोजना और ई-कोमेर्स वेबसाइट उल्लेखनीय हैं। इन कार्यक्रमों के प्रत्याशित परिणाम क्रमशः रोजगार के वर्धित अवसर और अलंकारी मछली प्रजनन और समुद्री मछली विपणन में मूल्य-शृंखला के विकास से जुड़े हुए आर्थिक लाभ हैं। भारतीय समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में टिकाऊपन सुनिश्चित करने के प्रयास में, एम एस सी प्रमाणीकरण प्रक्रिया प्रगति पर है और भारत में कुछ वाणिज्यिक प्रमुख क्रस्टेशियन और मोलस्क संपदाओं का प्रामाणीकरण प्रक्रिया जल्दी ही समाप्त

होने की प्रत्याशा है। पहली बार विशाखपट्टणम में खुला सागर पिंजरे में नारंगी चित्तियों वाली ग्रुपर मछली के पालन का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया जा सका और यह भारतीय समुद्री संवर्धन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण घटना है। संस्थान के विभिन्न केन्द्रों में समुद्री संवर्धन गतिविधियों में प्रशिक्षित मछुआरे अब सफल उद्यमी बन गए और उनके अपने प्रयासों के लिए मान्यताएं प्राप्त हो रही हैं। समुद्री मात्स्यिकी के क्षेत्र में आर्य वर्धन और आजीविका के अवसर बढ़ाए जाने हेतु इस तरह के विकास संस्थान के लिए प्रोत्साहनदायक होते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थान को राजर्षि टंडन पुरस्कार के लिए चुना गया है। आगे भी संस्थान को सफलता की ऊँचाइयाँ और प्रशस्तियाँ प्राप्त करने के लिए सभी कार्मिकों को मेरी शुभकामनाएं।

अ. गोपालकृष्णन
निदेशक

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के बारे में

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन कोच्ची में स्थापित केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान समुद्री मात्स्यिकी और समुद्री संवर्धन में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित सर्वप्रमुख अनुसंधान संस्थान है।

सी एम एफ आर आइ के तीन क्षेत्रीय केन्द्र जो कि मंडपम कैंप, विशाखपट्टणम और वेरावल तथा आठ अनुसंधान केन्द्र भारत की तट रेखा में कार्यरत हैं, जो देश के समुद्रवर्ती राज्यों को समुद्री मात्स्यिकी नीति का अनुपालन करने में सहायता प्रदान करते हैं।



अलंकारी मछली प्रजनन एवं पालन पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम



डॉ.जेना, उप महानिदेशक, भा कृ अनु प द्वारा उद्घाटन भाषण

देश में अलंकारी मछली उद्योग विकसित करने के महद् प्रयास के रूप में दिनांक 28 जुलाई 2018 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में आयोजित कार्यक्रम में डॉ.जोयकृष्ण जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी एवं पशु विज्ञान), भा कृ अनु प द्वारा अलंकारी मछली प्रजनन एवं पालन पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना का लॉन्चिंग किया गया। इस संयुक्त अनुसंधान पहल का प्रमुख उद्देश्य मीठा पानी और समुद्री अलंकारी मछली प्रजातियों के प्रजनन, बीज उत्पादन और पालन हेतु पर्याप्त प्रौद्योगिकियाँ विकसित करना और इस उद्योग में टिकाऊपन कायम रखने में सहायता प्रदान करना है। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के नेतृत्व में किए जाने वाली इस

परियोजना में भा कृ अनु प के सात संस्थानों, जो कि केन्द्रीय मीठा पानी जलजीव पालन संस्थान (सी आइ एफ ए), केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी आइ एफ आर आइ), राष्ट्रीय मछली आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एन बी एफ जी आर), केन्द्रीय खारा पानी जलजीव पालन संस्थान (सी आइ बी ए), केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सी आइ एफ ई) और शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय (डी सी एफ आर) की सहभागिता होगी।

इस अवसर पर भाषण देते हुए डॉ.जे.के.जेना ने अलंकारी मछली पालन क्षेत्र में भारत की शक्यता समझने हेतु देश में इस सेक्टर के अनुसंधानकारों और उद्योगों के सहभागियों के

बीच के शक्त संबंध की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। भारत में अलंकारी मछली उद्योग में सुनिश्चित उत्पाद गुणता और विदेशी पहुँच सहित एक मूल्य श्रृंखला विकसित करना इस परियोजना का उद्देश्य है। सार्वजनिक निजी सहभागिता (पी पी पी) तरीके से क्षेत्रीय हैचरी इकाइयों और साटलाइट हैचरियों की स्थापना की जाने के कारण इस परियोजना से रोजगार के अवसर उत्पन्न हो जाएंगे। इस अवसर पर डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, डॉ.सी.एन.रविशंकर, निदेशक, भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी और डॉ.देबजित शर्मा, निदेशक, भा कृ अनु प-डी सी एफ आर, भीमताल ने भी व्याख्यान दिए।

भारतीय समुद्री मात्स्यिकी के एम एस सी प्रामाणीकरण में प्रगति

केरल से आनाय द्वारा पकड़ी गयी पांच प्रजातियों - *मेटापेनियस डोबसोनी*, *पारापेनियोप्सिस स्टाइलिफेरा*, *यूरोट्यूथिस डुआसेली*, *सेपिया फारोनि* और *एम्फीओक्टोपस नेग्लेक्टस* का एम एस सी पूर्व-निर्धारण दिनांक 28-31 अगस्त 2018 को किया गया। कंट्रोल यूनियन पेस्का, यु के के ऑडिटर्स ने हितधारकों और भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के वैज्ञानिकों के साथ

आपसी विनिमय किया और कोचीन फिशरीस हार्बर और कोल्लम जिला के नीडकरा-शक्तिकुलंगरा मत्स्यन हार्बरों का निरीक्षण किया। संस्थान के वैज्ञानिकों सहित लेवल 3 एम एस सी ऑडिटर्स के लिए एम एस सी और कंट्रोल यूनियन पेस्का द्वारा भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में दिनांक 1-3 सितंबर 2018 के दौरान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। पाक उपसागर से गिल जल द्वारा पकड़ी गयी नीला

तैराक केकड़ा (ब्लू स्विम्मर क्रेब) मात्स्यिकी ने एम एस सी पूर्व-निर्धारण स्तर पार किया। डॉ.जोसिलीन जोस ने संस्थान के मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में दिनांक 10 और 11 अक्तूबर 2018 को आयोजित कार्यक्रम में इस प्रजाति की मात्स्यिकी प्रबंधन योजना एस सी एस ग्लोबल के ऑडिटर्स को प्रस्तुत की। डॉ.के.एस.मोहम्मद ने चर्चाओं का नेतृत्व किया और स्थान निरीक्षण और हितधारकों की बैठक में भाग लिया।

मछुआरों के लिए बहु विक्रेता ई-कोमेर्स वेबसाइट का प्रारंभ



ई-कोमेर्स वेबसाइट के लॉन्चिंग कार्यक्रम में एन आइ सी आर ए टीम

विपरीत जलवायु घटनाओं का अनुकूलन करने की कार्यनीति के रूप में और मछुआरों की आय बढ़ाने तथा मात्स्यिकी क्षेत्र में युवाओं को मात्स्यिकी क्षेत्र में बनाए रखने के उद्देश्य से जलवायु लचीला कृषि पर राष्ट्रीय नवोन्मेष (एन आइ सी आर ए) परियोजना के माध्यम से भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ ने बहु विक्रेता ई-कोमेर्स वेबसाइट www.marinefishsales और मोबाइल फोन में उपयोग करने के लिए इससे जुड़ा हुआ एन्ड्रोइड एप्लिकेशन 'marinefishsales' विकसित किया। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, माननीय महानिदेशक, भा कृ अनु प एवं सचिव, डेयर, भारत सरकार ने एन ए एस सी, नई दिल्ली में आयोजित एन आइ सी आर ए वार्षिक पुनरीक्षण बैठक में वेब एप्लिकेशन का उन्मोचन किया।

साधारण ई-कोमेर्स उद्यमों, जहाँ एकल फर्म या कंपनी मुख्य हितार्थी होती है, के विपरीत इस ई-कोमेर्स के प्लेटफॉर्म में एक से अधिक मछुआरा स्वयं सहायक ग्रुप हितार्थी होते हैं। यह मछुआरों की आय और आजीविका सुरक्षा में सुधार लाने के द्वारा जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों का ई-कोमेर्स समाधान से मूल स्तर पर सामना करने के उद्देश्य से मात्स्यिकी सेक्टर के सरकारी संस्थान द्वारा उठाने वाला पहला कदम हो सकता है। विभिन्न मछुआरा स्वयं सहायक ग्रुप अपने मछली उत्पादों के आधार पर विक्रेता (मछुआरे और मछली पालनकार) के रूप में पंजीकरण और पूर्व-अनुमोदित श्रेणी और उत्पादों के अंतर्गत स्टॉक की उपलब्धता का अद्यतन कर सकते हैं और यह वेबसाइट तथा इससे जुड़े हुए मोबाइल ऐप में दर्शाया जाएगा। उपभोक्ता

ऑर्डर प्लेस कर सकता है और परिणामस्वरूप पंजीकृत मछुआरे/ पालनकार को ई मेल या एस एम एस द्वारा सूचना दी जाती है और गुणतायुक्त उत्पादों का निश्चित समय के अंदर उत्पादों का वितरण किया जाएगा, जिससे उपभोक्ता और एस एच जी के बीच सीधा उत्पाद विपणन आसान हो सकता है। अब तक लगभग 35 मछुआरों / मछली पालनकारों ने पहले ही वेबसाइट में पंजीकरण किया है और आम लोगों को मछली का परीक्षणात्मक विपणन किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस अवधारणा पर अभिरुचि दिखायी है, तदनुसार हिमाचल प्रदेश सरकार के मात्स्यिकी विभाग के 3 कर्मियों को एन आइ सी आर ए परियोजना के अंतर्गत सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में प्रशिक्षण दिए जाने की सहमति दी गयी है।

समुद्री शैवाल से कडलमीन एन्टी-हाइपोथायरोइडिसम एक्स्ट्रैक्ट का उन्मोचन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस 16 जुलाई, 2018 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने कडलमीनTM एन्टी-हाइपोथायरोइडिसम एक्स्ट्रैक्ट, समुद्री शैवाल से हाइपोथायरोइडिसम रोग के प्रति एक पौष्टिक औषधीय उत्पाद का उन्मोचन किया।

कडलमीनTM ATe 100% समुद्री शैवाल से "हरित" प्रौद्योगिकी द्वारा निचोड़े गए एन्टी हाइपोथायरोइडिसम तत्वों से युक्त प्राकृतिक समुद्री जैव सक्रिय संघटकों का मिश्रण है। कडलमीनTM ATe में निहित जैवसक्रिय घटक



थायरोइड उत्पादन करने वाले होमोन को उत्तेजित करते हैं और मेटाबोलिकली सक्रिय

थायरोइड होमोन टेट्राआयडोथायरोनिन (T₄) और 3,5, 3 ट्राइडोथायरोनिन उत्पादित करने हेतु सेलेनोडआयडिनेस की गतिविधि तेज़ करते हैं। नैदानिक परीक्षणों से यह व्यक्त हुआ कि गुरदे और यकृत के कार्यों में, हेमटोलजिकल इन्डिसस और सीरम बायोकेमिकल प्राचलों में विषाक्तता संबंधी कोई परिवर्तन नहीं है। परीक्षण के परिणामों से यह व्यक्त हुआ कि 2x 10³mg/kg/d की मात्रा में यह औषध लेने पर सामान्य अंगों में परीक्षण पदार्थ नहीं हैं, तथा सिस्टमिक विषाक्तता और हाइपोग्लाइसेमिक अव्यवस्थाएं नहीं हैं।

(काजल चक्रवर्ती, समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग की रिपोर्टर)

विशाखपट्टणम के समुद्री पिंजरों में पालन की गयी नारंगी चित्तियों वाली ग्रूपर मछली का प्रथम फसल संग्रहण

डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक ने विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा आयोजित खुला सागर पिंजरों में पालन की गयी मछलियों के फसल संग्रहण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ.जी.गोपकुमार, एमरिटस वैज्ञानिक एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, समुद्री संवर्धन प्रभाग, डॉ.इमेल्डा जोसफ, प्रभागध्यक्ष, समुद्री संवर्धन प्रभाग भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। एच डी पी ई से बनाए गए 6 मी. के व्यास और 4 मी. की गहराई के दो पिंजरों, जिन्हें स्टील की श्रृंखला और कंक्रीट ब्लोकों से लंगर किया गया था, से फसल संग्रहण किया गया। एक पिंजरे में मई, 2017

महीने में लगभग 3 से.मी. के आकार वाले पोना मछलियों का संभरण किया गया था, जो 15 महीनों की पालन अवधि के बाद 2.5 कि.ग्रा. भार तक बढ़ गयीं। एक पिंजरे से 2 टन मछलियों को संग्रहित किया गया, जिनकी अतिजीवितता दर 80% थी। दूसरे पिंजरे में अगस्त, 2017 महीने में लगभग 5.25 से.मी. की लंबाई और 2.5 ग्रा. भार के आकार वाले भारतीय पोम्पानो की पोना मछलियों का संभरण किया गया था। इन मछलियों को पेल्लेट खाद्य से खिलाया गया और माहिक अंतराल में जाल और पिंजरे की सफाई की गयी और जाल

बदल गया। 12 महीनों की पालन अवधि के बाद 0.75 कि.ग्रा. भार के औसत आकार तक बढ़ गयीं और 90% की अतिजीवितता दर भी पायी गयी। एक पिंजरे से करीब 2 टन मछलियों को संग्रहित किया गया। इन मछलियों को पश्चिम बंगाल राज्य मात्स्यिकी विभाग को बेच दिया गया। खुले सागर में पिंजरों में पालन की गयी भारतीय पोम्पानो और नारंगी चित्तियों वाली ग्रूपर मछलियों का फसल संग्रहण भारत में ही नहीं, बल्कि भारतीय समुद्री संवर्धन में ही पहली घटना है।



डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक मछली फसल संग्रहण का फ्लैगऑफ करते हुए



पिंजरे से संग्रहण की गयी ग्रूपर मछलियों का दृश्य

केरल में नारंगी चित्तियों वाली ग्रूपर मछली का सहभागी पालन

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र से नारंगी चित्तियों वाली ग्रूपर मछली बीजों को विभिन्न अनुसंधान केन्द्र में लाया गया और अगस्त, 2017 महीने के अंतिम सप्ताह में पिंजरों में इनका संभरण किया गया। पहला पिंजरा ग्रुप चेम्मक्काड में स्थापित किया गया, जहाँ 11.5 से.मी. के आकार वाली मछलियों को प्रति मी^३ में 10 संख्या की सघनता में संभरण किया गया और

प्रारंभ में पेल्लेट खाद्य से खिलाया गया और बाद में कम मूल्य वाली मछली भी दी गयी। दूसरा पिंजरा ग्रुप प्राक्कुलम में स्थापित किया गया, जहाँ खाद्य के रूप में केवल कम मूल्य वाली मछली दी गयी। दिनांक 29 जून 2018 से लेकर मछली संग्रहण शुरू किया गया। श्री आइ. अनिल, पेरिनाड ग्राम पंचायत, कोल्लम ने मछली संग्रहण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ.जी.गोपकुमार, एमेरिटस वैज्ञानिक

एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, समुद्री संवर्धन प्रभाग, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ भी उपस्थित थे। लगभग 10 महीनों की पालन अवधि में आइसोपोड ग्रसन और प्राकृतिक मर्त्यता के कारण अतिजीवितता दर केवल 60% थी। चेम्मक्काड के पिंजरों में संग्रहण पर मछली का औसत भार 0.95 कि.ग्रा. और प्राक्कुलम में 1.25 कि.ग्रा. था और प्रति पिंजरे से औसत उत्पादन क्रमशः 102 और 135 कि.ग्रा. था।

समुद्री शैवाल का फसल संग्रहण मेला



तूतुकुडी जिले के मुल्लक्काड तट पर दिनांक 14 अगस्त 2018 को पालन किए गए समुद्री शैवालों का फसल संग्रहण किया गया। एन आइ सी आर ए परियोजना के अंतर्गत परिचालित इस उद्यम का लक्ष्य समुद्री शैवाल पैदावार द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अनुकूलन कराना और इसके साथ-साथ मछुआरों के लिए आजीविका के बदल उपाय के रूप में दर्शाना था। रोपण की गयी समुद्री शैवाल सामग्रियों से 30-35 दिनों की पालन अवधि में मछुआरों को करीब पांच गुनी वृद्धि प्राप्त

हुई। श्री अमल जेवियर, मात्स्यिकी संयुक्त निदेशक, तमिल नाडु ने फसल संग्रहण मेले का उद्घाटन किया। श्री के.विजयपांडियन, जिला विकास प्रबंधक, कृषि एवं ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय बैंक (नबार्ड) कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि थे। तूतुकुडी जिले में समुद्री शैवाल के पैदावार में लगे हुए लोग और उद्यमी लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे और इस दौरान पालनकारों ने समुद्री शैवाल समुद्री संवर्धन में अपने अनुभव दूसरों के बीच व्यक्त किए।

(टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

राष्ट्रीय मछुआरा दिवस समारोह

संस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ दिनांक 10 जुलाई 2018 को राष्ट्रीय मछुआरा दिवस मनाया गया। टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में इस दौरान समुद्री शैवाल पैदावार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसमें एन आइ सी आर ए परियोजना के अंतर्गत एकीकृत बहु-पौष्टिक जलजीव पालन (आइ एम टी ए) के आयोजन के लिए चुने गए 25 मछुआरों को मोनोलाइन, रोपण सामग्रियाँ और अन्य औजार प्रदान किए गए।

कारवार अनुसंधान केन्द्र द्वारा उत्तर कन्नड़ जिले में कारवार के नागनाथवाडा गाँव में पिंजरे में पालन की गयी समुद्री बास मछलियों का संग्रहण मेला आयोजित किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित मछुआरा ग्रुपों द्वारा चार महीनों की अवधि में पालन की गयी 200 कि.ग्रा. समुद्री बास मछलियों का संग्रहण किया गया।

नागनाथवाडा में मछली संग्रहण का दृश्य



भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा समर्थन किए गए मछुआरों का अंगीकार

संस्थान के पिंजरा मछली पालन प्रौद्योगिकी स्वीकार करने से तमिल नाडु के मछुआरों को राज्य स्तरीय अंगीकार प्राप्त हुआ। आठ मछुआरों को दिनांक 24-26 अगस्त 2018 के दौरान आयोजित 'किसान समृद्धि मेला' में सम्मानित किया गया। गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एस.पी.वेलमणी, नगरपालिका प्रशासन एवं ग्रामीण विकास मंत्री (तमिल नाडु सरकार) ने

किया। श्री उदुमलै के. राधाकृष्णन, पशुपालन मंत्री (तमिल नाडु सरकार) भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर तमिल नाडु के कृषि, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी विश्वविद्यालयों और इनके अनुसंधान केन्द्रों, भा कृ अनु प के अनुसंधान संस्थानों एवं अनुसंधान केन्द्रों द्वारा समर्थित प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के



श्री डोमिनिक तमिल नाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर के कुलपति श्री के. रामस्वामी से उत्कृष्ट किसान पुरस्कार स्वीकार करते हुए

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के मार्गदर्शन से कार्यरत रामनाथपुरम जिले के तीन मछुआरों, श्री एल.मोहम्मद नुगु, श्री वी.नागदास और श्री पी.डोमिनिक ने राज्य स्तरीय उत्कृष्ट किसान पुरस्कार जीते और रामनाथपुरम जिले के पिंजरा मछली पालन उद्यमी श्री सीनी माहैदीन और श्री एल.अजमल खान ने राज्य स्तरीय उत्कृष्ट उद्यमी पुरस्कार जीते। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र के तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त श्री एम.मुर्गन और श्री आर.रेक्सन ने भी राज्य स्तरीय उत्कृष्ट मछुआरा पुरस्कार जीते। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के मद्रास अनुसंधान केन्द्र के तकनीकी विशेषज्ञता द्वारा समर्थित कोवलम प्रगतिशील मछुआरा संघ के अध्यक्ष श्री आर.गोविन्द को प्रगतिशील मछुआरे के रूप में सम्मानित किया गया। मद्रास अनुसंधान केन्द्र के तकनीकी विशेषज्ञता द्वारा समर्थित कोवलम प्रगतिशील मछुआरा संघ (ए के पी एफ), जो कांचीपुरम जिले के युवा मछुआरों का ग्रुप है, को भी राष्ट्रीय मछुआरा दिवस के दौरान राज्य मात्स्यिकी विभाग का उत्कृष्ट

खुला सागर समुद्री मछली पिंजरा पालन ग्रुप पुरस्कार प्राप्त किया। यह युवा ग्रुप तिरुवल्लूर, चेन्नई और कांचीपुरम जिलों के कई गाँवों में इस तरह के ग्रुपों के गठन के लिए मार्गदर्शक बन गया है।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा
समर्थित मछुआरे और उद्यमी



एन एफ डी बी के वित्त पोषण से पिंजरा मछली पालन

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी), हैदराबाद द्वारा समर्थन से केरल में 500 मछली पालन पिंजरों की स्थापना से संबंधित बृहत् परियोजना प्रारंभित की गयी। परियोजना का लक्ष्य राज्य के तटीय जिलों में पिंजरा मछली पालन करने हेतु मछुआरों को सहायिकी और तकनीकी सहायता प्रदान करना है। इसके प्रारंभिक कदम के रूप में एरणाकुलम जिले के नेट्टूर की 10 सदस्यों की श्री भद्रा कुटुम्बश्री इकाई द्वारा पिंजरों की स्थापना की गयी। इस तरह स्थापित चार पिंजरों में समुद्रीबास और पेरल स्पॉट मछलियों की क्रमशः 1500 और 500 अंगुलिमीनों का संभरण किया गया। मरडु नगरपालिका का अध्यक्ष सुनिता सिबी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।



नेट्टूर में पिंजरा मछली पालन परियोजना के उद्घाटन का दृश्य

डॉ.ए.गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प, सी
एम एफ आर आइ, डॉ.इमेल्डा जोसफ, समुद्री

संवर्धन प्रभाग और अजित कुमार, वार्ड काउन्सिलर
ने इस अवसर पर भाषण दिए।

अंगुलिमीनों और अलंकारी मछलियों के विपणन द्वारा राजस्व उत्पादन

कोबिया, सिल्वर पोम्पानो और अलंकारी
मछलियों के अंगुलिमीनों के विपणन से मंडपम

क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा जुलाई - सितंबर, 2018
अवधि के दौरान 3,83,995/- रुपए का राजस्व

जगाया गया।



सक्कर शार्क के अंडजनन, स्फुटन और डिंभक पालन

समुद्री जलजीवशाला में पिछले तीन वर्षों से लेकर अनुसंधान की जाने वाली एकेनिस नॉक्रेट्स, जिसे सामान्य रूप से लाइव सक्कर शार्क कहा जाता है, जून, 2018 के मध्य में कोर्टशिप और प्रजनन स्वभाव दिखाने लगी और एक सप्ताह के अंतर्गत अंड देने लगी। अंडजनन के 65 घंटों में अंडशावकों के वोलेशनल अंडजनन द्वारा प्राप्त अंडों का निषेचन हुआ।



ग्रौड एकेनिस नॉक्रेट्स मछली

अंडजनन ने लगातार 26 दिनों तक बड़े आकार के साफ तौर पर आँखों से दिखने वाले अंडों का जन्म दिया।

हर शाम को अंड देने वाली डएल स्पॉनिंग अवधि देखी गयी। डिंभकों का किशोर अवस्था



ई.नॉक्रेट्स के अंडों का दृश्य

(40 दिवस) तक पालन किया गया। हैचरी में लाइव सक्कर शार्क के अंडों से लेकर किशोर अवस्था तक डिंभक पालन पहली बार किया गया।

(अम्बरीश पी. गोप, सूर्या एस., गोमती पी., एम. के. अनिल और राजु बी. की रिपोर्ट)



किशोर सक्कर शार्क (40 दिवस)

ओड़ीशा तट पर हिल्सा शड का भारी अवतरण

ओड़ीशा के बालसोर, भद्रक, जगतसिंहपुर और केन्द्रपादा तटों के सभी अवतरण केन्द्रों में जुलाई-अगस्त, 2018 के दौरान हिल्सा शड का भारी अवतरण प्राप्त हुआ। लगभग 18-35 से.मी. की कुल लंबाई और 100-1200 ग्रा. के कुल शरीर भार की मछलियों को अवतरण केन्द्रों में ही नीलाम कर दिया गया। उच्च पकड़ की अवधि के दौरान संभरण की पर्याप्त सुविधा के अभाव के कारण मध्यम और बड़े आकार की मछलियों को प्रति किलोग्राम के लिए क्रमशः 170-180 और 600-700/- रुपए का मूल्य प्राप्त हुआ। पकड़ का सिंह भाग कोल्कत्ता, बंगलूरु और चेन्नई को ले गया।



बालसोर में हिल्सा के भारी अवतरण का दृश्य

कर्नाटक में असाधारण मछली अवतरण

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड जिले के मुल्की में साम्भवी नदीमुख से सितंबर, 2018 के दूसरे सप्ताह के दौरान सफेद तारली के विशाल झुंड दृश्यमान थे, जिन्हें गिल जाल से बड़ी मात्रा में पकड़ा गया। स्थानीय मछुआरों के अनुसार 10-15 वर्षों के अंतराल में इस तरह बड़ी मात्रा में मछली का अवतरण पहली बार देखा जा रहा है। वाणिज्यिक प्रमुख प्रजाति

और तटीय कर्नाटक में नाजुकता की वजह से इस मछली को प्रति किलोग्राम के लिए 150-300/- रुपए का मूल्य मिलता है, लेकिन इस बार मछली की बहुलता के कारण मूल्य प्रति किलोग्राम के लिए 4/- रुपए तक घट गया। इसी तरह येरमल तेन्का में परिचालित तट संपाश में दिनांक 27 सितंबर 2018 को असाधारण भारी पकड़ प्राप्त हुई और इस कारण

से उसी क्षेत्र के मछुआरों को त्योहार की खुशी महसूस हुई। तट संपाश के एकल यूनिट द्वारा 1.5 टन मछली की पकड़ की गयी थी, जिसका अधिक भाग क्रॉकेर्स, बांगडा, एंचोवी (थ्रिस्सा), श्वेत पाम्फ्रेट, श्वेत मछली और करंजिडों की कई प्रजातियाँ थी। पकड़ को माल्टे तक ले गया और नीलाम कर दिया गया।

आंध्र प्रदेश में तालाबों में नारंगी चित्तियों वाली ग़ुपर और पोम्पानो मछलियों का पालन

आंध्र प्रदेश में लवणता युक्त क्षेत्रों के तालाबों में नारंगी चित्तियों वाली ग़ुपर और पोम्पानो मछलियों के प्रदर्शनात्मक पालन पर राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी) द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के नागयलंका मंडल के बावदेराप्पल्ली में नारंगी चित्तियों वाली ग़ुपर और पोम्पानो मछलियों का नर्सरी पालन शुरू किया गया। मिट्टी के कुल छः तालाबों में नारंगी चित्तियों वाली ग़ुपर और पोम्पानो मछलियों का समान रूप से संभरण किया जाएगा। दोनों प्रजातियों के एकदम अच्छे 16500 पोना मछलियों को 1 से.मी. की जालाक्षि वाले हाप्पा (2x2x2 मी.) में डाला गया। हाप्पा में 45 दिनों के पालन के दौरान पेल्लेट खाद्य (45% कूड प्रोटीन और 10% कूड फैट) दिए जाने पर मछलियाँ 1.5 ग्राम के प्रारंभिक भार से 12.5 ग्राम भार तक पहुँच गयीं। हाप्पा में संभरण की गयी मछलियों में 98.5% की अतिजीवितता दर देखी गयी। मछलियों का आकार 15 ग्राम तक होने पर उंगलिमीनों को आगे के पालन के लिए प्रति एकड़ में 2500



तालाब में मछली पालन हेतु सजाए गए हाप्पाओं का दृश्य

मछली की दर पर तालाब में सीधा डाला जाएगा। नारंगी चित्तियों वाली ग़ुपर पोना मछलियों (3 ग्रा.) को मिट्टी के तालाबों में स्थापित 1 से.मी. की जालाक्षि वाले हाप्पा में संभरित किया गया और इन्हें 45% प्रोटीन युक्त कृत्रिम खाद्य से खिलाया गया। मछलियों

का आकार 15 ग्राम तक पहुँचने पर आगे के पालन के लिए मिट्टी के तीन तालाबों में डाला जाता है।

(शेखर मेघराजन, रितेश रंजन, शुभदीप घोष, बिजी सेवियर, विश्वजीत दास और पी.शिवा, विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

कारवार के नागनाथवाडा में कम लागत के पिंजरे में सफलतापूर्वक पालन प्रदर्शन

कारवार अनुसंधान केन्द्र के तत्वावधान में कारवार के उत्तर कन्नड़ जिले के नागनाथवाडा के मछुआरा ग्रुप द्वारा कम लागत के स्थायी पिंजरे में एशियन समुद्रीबास मछली लैटस कैल्कारिफर के सफलतापूर्वक पालन का प्रदर्शन किया गया। उनको गाल्वनाइज्ड अयेर्न के ढांचों से निर्मित 6x4x2 मी. के आकार वाले पिंजरों, जो नदीमुख के निचले भाग में स्थापित कैशुरीना के लंबे खंभों से लटकाए गए थे, में मछली पालन का प्रशिक्षण दिया गया है। नदीमुख के निचले भाग से 0.5 मी. के ऊपर जाल स्थापित

किए गए। ढांचों से 4 मी. की गहराई के नाइलोन पिंजरे लटकाए गए ताकि निम्न ज्वार के समय पिंजरे में एक मीटर तक पानी होगा और जाल का एक मीटर भाग पानी के ऊपर के स्तर पर भी होगा, इसलिए पिंजरे से मछली बच नहीं सकी। पिंजरों में फरवरी महीने में एशियन समुद्री बास मछली के 30 ग्राम के आकार के 700 उंगलिमीनों का संभरण किया गया, जो 132 दिनों के पालन के बाद जुलाई महीने में 465 ग्राम के आकार तक बढ़ गए। इन मछलियों को खाने के लिए दिन में दो बार

शरीर भार के 6% तक मछुआरों द्वारा संग्रहित कम मूल्य की मछली दी गयीं। मछुआरों ने ऐसा निर्णय लिया कि मानसून रोध के दौरान जब ज्यादा मूल्य प्राप्त होने पर पिंजरों से फसल संग्रहण किया जाए ताकि अच्छा बाज़ार भाव मिल जाएगा। पिंजरे से 75% अतिजीवितता के साथ कुल 203 किलोग्राम मछली उत्पादन प्राप्त किया गया और हर एक मछली का औसत भार 465 ग्राम था।

समुद्री स्तनि का धंसन

ओड़ीशा के पुरी में पेन्टाकोटा मछली अवतरण केन्द्र (19° 48' 0.8892" N, 85° 50' 48.138" E) में इन्डोपसफिक फिनलेस

पोरपोइस नियोफोसीना फोसीनोइडस के एक नमूने को भागिक रूप से सड़ी हुई अवस्था में देखा गया। इसकी लंबाई 120 से.मी. (प्रोथ

से टैल फ्लूक तक) थी और काला रंग था।

(सुबल कुमार राजल, पुरी क्षेत्र केन्द्र की रिपोर्ट)

माल्पे के मछुआरों द्वारा टिकाऊ मात्स्यिकी के प्रबंधन उपायों का अभ्यास करने के तरीके का नेतृत्व

समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र में दीर्घ कालिक टिकाऊपन प्राप्त करने के प्रमुख अभियान के रूप में तटीय कर्नाटक के उडुपी जिले के प्रमुख मत्स्यन गाँव माल्पे के मछुआरों ने स्वयं कर्नाटक सरकार के मात्स्यिकी विभाग द्वारा जारी किए गए प्रमुख आदेशों का पालन किया। मात्स्यिकी विभाग में अवसंरचना सुविधाओं और मानव शक्ति की कमी की वजह से बुल आनायन रोध करने के आदेशों का कार्यान्वयन पूर्णतया नहीं किया जा सका। फिर भी मछुआरों ने मत्स्यन मौसम की शुरुआत (अगस्त 2018) से लेकर स्वयं बुल आनायन नहीं करने और

प्रकाश के उपयोग से मत्स्यन करने और मात्स्यिकी विभाग के अनुदेशों का पालन करने का एकमत से निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त मछली खाद्य प्लान्टों में उपयोग करने लायक छोटे आकार वाली मछलियों की पकड़ नहीं करने का भी निर्णय लिया गया। मौसमिक मत्स्यन रोध के बाद मत्स्यन शुरू किए जाने के कुछ दिनों से पहले संघ के सदस्यों का निर्णय और आदेशों का पालन करने की चेतावनी का संकेत करते हुए बड़े-बड़े पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया। अवतरण की गयी मछलियों, विशेषतः सूत्रपख ब्रीम मछली, जिसे अगस्त-

सितंबर महीनों के दौरान बड़ी मात्रा में पकड़ा जाता है, का अच्छा मूल्य सुनिश्चित करने हेतु प्रति नाव द्वारा पकड़ी जाने वाली मछली की मात्रा सीमित कराने का निर्णय भी लिया गया। किसी भी आकार की सूत्रपख ब्रीम मछली की सुरुमी प्लान्टों में बड़ी मांग होती है, और बड़ी मात्रा में पकड़ने पर मूल्य घट जाता है। इसलिए मूल्य स्थिर रखे जाने के उद्देश्य से बहु दिवसीय आनायों के लिए प्रति ट्रिप (7 दिनों की अवधि) की मछली पकड़ 10 टन तक सीमित करने का निर्णय लिया गया।

केरल में मानसून की भाड़ से अनुमानित नुकसान

हाल ही में हुए मानसून की भाड़ से एरणाकुलम जिले में कई स्वयं सहायक ग्रुपों (एस एच जी) के शुक्ति पालन खेतों का बड़ी मात्रा में नुकसान हुआ। लगभग 20 पालन खेतों में शुक्ति पालन कार्य किया जाता था और 3.94/- लाख रुपए का नष्ट आकलित किया गया। शुक्ति संभरण किए बिना पालन खेत का यूनिट मूल्य 7000/- रुपए और संभरण सहित शुक्ति पालन खेत का यूनिट मूल्य 35,000/- रुपए आकलित किया गया।

दक्षिण केरल के अष्टमुडी झील में छोटे गला वाली सीपी (पाफिया मलबारिका) की मात्स्यिकी, जो लघु पैमाने की है और एम एस सी प्रामाणीकरण प्राप्त पहली तथा निर्यात विपणन होने वाली मात्स्यिकी है, भी भाड़ से प्रभावित हुई। जिलाधीश की अध्यक्षता में गठित अष्टमुडी सीपी शासन समिति (ए सी जी सी) द्वारा इस मात्स्यिकी का प्रबंधन किया जाता है। लवणता में रहने वाले द्विकपाटी जीव है, जिनके वृद्धि और पुनरुत्पादन के लिए सामान्य

मात्रा में लवणता की आवश्यकता है। भाड़ के 15 दिनों के बाद अष्टमुडी झील के कई स्थानों से संग्रहित चतुरांश नमूनों का आकलन करने पर यह देखा गया कि अधिक सीपी संस्तर दीर्घ काल तक मीठा पानी में खुले रहने के कारण 50% तक मृत्युता देखी गयी। मत्स्यन दिनों के नष्ट और स्टॉक जैव भार के नष्ट को मिलाकर मछुआरों को हुआ कुल नष्ट 7.71 करोड़ रुपए आकलित किया गया।

(मोलस्क मात्स्यिकी प्रभाग की रिपोर्ट)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी) के कुशलता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 'खुला सागर मछली पालन और समुद्री संवर्धन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

के पांच बैचों ने जुलाई से सितंबर 2018 तक की अवधि के दौरान भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में प्रशिक्षण पूरा किया। तमिल नाडु के

रामनाथपुरम जिले के विभिन्न मत्स्यन गाँवों से कुल 250 मछुआरा प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण से लाभ उठाया। डॉ. एम. शक्तिवेल और डॉ. जोणसन बी. ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।

- एन एफ डी बी के प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना के अंतर्गत तमिल नाडु, गुजरात और पश्चिम बंगाल के राज्य मात्स्यिकी विभागों के मात्स्यिकी कार्मिकों के लिए 25-27 सितंबर 2018 के दौरान मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में 'पिंजरों में कोबिया मछली पालन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. एम. शक्तिवेल और डॉ. जोणसन बी. ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।



कुशलता विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ



मात्स्यिकी विभाग के प्रशिक्षणार्थियों का दृश्य

- जलवायु लचीला कृषि पर राष्ट्रीय नवोन्मेष (एन आइ सी आर ए) परियोजना के अंतर्गत तमिल नाडु के रामनाथपुरम जिले के चुने गए गाँवों को जलवायु स्मार्ट गाँवों के रूप में विकसित किए जाने हेतु चुना गया। क्षमता सशक्तीकरण और प्रौद्योगिकी लक्ष्यकरण के भाग के रूप में मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में 'समुद्री अलंकारी मछली पालन' और 'एकीकृत बहु पौष्टिक जलजीव पालन (आइ एम टी ए)' विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किए गए, कुल 100 मछुआरों ने भाग लिया।

(मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)



एन आइ सी आर ए परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण

- चेन्नई जिले के युवा मछुआरों के लिए मात्स्यिकी सूचना केन्द्र, काशिमेडु में 09-11 जुलाई 2018 के दौरान 'खुला सागर मछली पालन और समुद्री संवर्धन' विषय पर 3 दिवसीय एन एफ डी बी द्वारा प्रायोजित कुशलता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री रविचन्द्रन (सहायक मात्स्यिकी निदेशक, चेन्नई जिला) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस कार्यक्रम में चेन्नई जिले के छः गाँवों से कुल 50 मछुआरों ने भाग लिया।

(मद्रास अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

- विशाखपट्टणम में एन एफ डी बी, हैदराबाद की वित्तीय सहायता से जुलाई से सितंबर 2018 तक की अवधि के दौरान छः दिवसों की अवधि वाले तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भारत के आठ राज्यों के उद्यमी, शिक्षाविद, अनुसंधानकार, छात्र और मछली/चिंगट हैचरी तकनीशियन सम्मिलित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य जीवित खाद्य उत्पादन प्रौद्योगिकी, जो पख मछली / कवच मछली हैचरियों की सफलता का

मुख्य घटक है, में प्रशिक्षित मानव शक्ति विकसित करना था।

(विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

- कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (ए टी आइ सी) द्वारा मात्स्यिकी व्यावसायिक उच्च माध्यमिक शिक्षा के छात्रों के लिए 24-29 सितंबर 2018 के दौरान 'समुद्री संवर्धन प्रौद्योगिकियों में प्रगतियाँ' विषय पर नौकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओ जे टी) के आयोजित किया गया। डॉ. एन. अश्वती, वरिष्ठ वैज्ञानिक और श्रीमती के. पी. शालिनी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया। एरणाकुलम जिले के कडमकुडी और तेवरा के वोक्शनल हायर सेकंडरी स्कूलों के तटीय मछुआरा



ओ जे टी प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्रों का वितरण

समुदाय में आने वाले 50 छात्रों ने इस प्रशिक्षण से लाभ उठाया।

(डॉ. एन. अश्वती, प्रबंधक, ए टी आइ सी की रिपोर्ट)

- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में ए एम आइ टी वाय विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के बी.एस सी (समुद्र विज्ञान) छात्रों के लिए 1 से 30

जून, 2018 के दौरान इन्टर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. आर. शरवणन और श्री एस. चन्द्रशेखर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।

- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (भा कृ अनु प-सी आइ एफ ई), मुम्बई के मात्स्यिकी संपदा प्रबंधन छात्रों के लिए 15-29 सितंबर, 2018 के दौरान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. आर. शरवणन, श्री एम. राजकुमार और आर. विनोदकुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।
- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विषिजम अनुसंधान केन्द्र में एन जी ओ-फ्रन्ड्स ऑफ

मराइन लाइफ के 20 प्रतिभागियों के लिए 19 से 28 सितंबर, 2018 के दौरान 'समुद्री अलंकारी मछली पालन और जलजीवशाला प्रबंधन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में व्यावहारिक सत्र, व्याख्यान, आपसी चर्चा और खेत का दौरा सम्मिलित थे।



समुद्री अलंकारी मछली पालन पर प्रशिक्षण

मात्स्यिकी सर्वेक्षण कर्मचारियों के लिए आंचलिक कार्यशालाएं

- एफ आर ए डी आंचलिक कार्यशालाएं- सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में 2-5 जुलाई, 2018 के दौरान (दक्षिण पश्चिम तट के लिए), 16-19 जुलाई, 2018 के

दौरान विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र (उत्तर पूर्व तट के लिए), 30 जुलाई - 2 अगस्त, 2018 के दौरान मुम्बई अनुसंधान केन्द्र (उत्तर पश्चिम तट के लिए) और 25-28

सितंबर, 2018 के दौरान मद्रास अनुसंधान केन्द्र में (दक्षिण पूर्व तट के लिए) आयोजित की गयीं। इस दौरान समुद्री मछली की पहचान का अद्यतन और समुद्री मछली



मुख्यालय में कार्यशाला के सहभागी



विशाखपट्टणम में कार्यशाला के सहभागी



चेन्नई में कार्यशाला के सहभागी



मुम्बई में कार्यशाला के सहभागी

अवतरण के डेटा संग्रहण में लगे हुए कर्मचारियों के लिए अवतरण केन्द्रों से इलेक्ट्रॉनिक टेबलेटों के उपयोग से ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि का प्रारंभ पर प्रशिक्षण दिया गया।

- सी एम एफ आर आइ मद्रास अनुसंधान केन्द्र में 4-5 जुलाई, 2018 के दौरान

एफ आइ एम एस यु एल- II, कंपोनेन्ट - III के अंतर्गत 'तमिल नाडु में प्रोन्नत प्रतिचयन कवरेज के साथ समुद्री मछली अवतरण का आकलन' विषय पर दो दिवसीय पुनरीक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। इस दौरान प्रशिक्षण, वैद्यीकरण मामलों और छः मासीय परिणामों पर चर्चा की गयी। कार्यशाला के दौरान निदेशक, भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ द्वारा वीडियो कोन्फ्रेन्सिंग द्वारा एफ आइ एम एस यु एल डेटा संग्रहण एप्प 'एनमीन' का उन्मोचन किया गया। कार्यशाला में तमिल नाडु मात्स्यिकी विभाग के कार्मिकों और डेटा संग्रहण सहायकों सहित कुल तिरसठ व्यक्तियों ने भाग लिया।

- मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए "भारत की झींगा मात्स्यिकी के रिक्रूटमेन्ट गतिकी और स्थानिक-कालिक स्टॉक निर्धारण के निहितार्थ" परियोजना के अंतर्गत मद्रास

अनुसंधान केन्द्र में 6-10 अगस्त, 2018 के दौरान 'कार्यप्रणालियों पर ज्ञान आधार का



क्रस्टेशियन मात्स्यिकी संसाधनों पर आयोजित कार्यशाला

फोर्टिफिकेशन' विषय पर 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इस दौरान विकसित डाटाबेस के सांख्यिकीय विश्लेषण के अतिरिक्त अंडजनन स्टॉक आकार और रिक्रूटमेन्ट के मापन हेतु स्वीकार की गयी कार्यप्रणालियाँ और स्टॉक मछलियों के मत्स्यन का प्रभाव आदि पर चर्चा की गयी।

(क्रस्टेशियन मात्स्यिकी प्रभाग की रिपोर्ट)



डेटा संग्रहण एप्प एनमीन का उन्मोचन

- डॉ. के. विजयकुमारन, प्रधान वैज्ञानिक ने कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्ची के स्कूल ऑफ इन्डस्ट्रियल फिशरीस में 25-27 जुलाई 2018 के दौरान “विज्ञान में दर्शन, प्रणालियाँ और नीति” विषय पर विचार विनिमय सह-शिक्षा कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें कुल 18 युवा अनुसंधानकारों ने भाग लिया।



सह-शिक्षा कार्यशाला के सहभागी और प्रशिक्षक

- विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में 14-16 अगस्त के दौरान “उष्णकटिबंधीय समुद्री पख मछली बीज उत्पादन एवं पालन प्रौद्योगिकी” विषय पर एच आर डी लेखनी कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, डॉ.

जी. गोपकुमार, भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डॉ. इमेल्डा जोसफ तथा केन्द्र के समुद्री संवर्धन प्रभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित थे। राइटशॉप का प्राथमिक उद्देश्य एक महीने के अंदर “उष्णकटिबंधीय समुद्री पख मछली प्रजनन एवं बीज उत्पादन” विषय पर पुस्तक और “समुद्री पख मछली बीज उत्पादन एवं पालन” विषय पर प्रशिक्षण मैनुअल / पुस्तिका का प्रकाशन करना था।

- “तमिल नाडु और पुत्तुचेरी में टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी हेतु संसाधन निर्धारण



हितधारक बैठक का दृश्य

और प्रबंधन” विषयक गृहांदर परियोजना के अंतर्गत मात्स्यिकी सूचना केन्द्र, काशिमेट्टु, चेन्नई में 18 जुलाई, 2018 को हितधारक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें मछुआरे, राज्य मात्स्यिकी कार्मिक, केन्द्रीय सरकारी कार्मिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ चेन्नई के वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिक उपस्थित थे। परियोजना के अंतर्गत किए गए कार्यों के महत्वपूर्ण परिणामों को हितधारकों को प्रस्तुत किया गया और उनकी प्रतिक्रिया आगे की कार्यवाही के लिए स्वीकार की गयी।

मात्स्यिकी विभाग, केरल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और मात्स्यिकी निदेशालय, केरल सरकार के बीच दिनांक 16 जुलाई, 2018 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत राज्य विभाग की हैचरियों में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची द्वारा पोम्पानो बीज उत्पादन की प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर योजना बनायी गयी।



केरल सरकार के मात्स्यिकी विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

समुद्री कचरे के खिलाफ लड़ने के लिए ग्रीन ब्रिगेड का रूपायन

मात्स्यिकी पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग द्वारा समुद्री आवास तंत्र के स्वास्थ्यपूर्ण प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले समुद्री कचरों की समस्या के खिलाफ लड़ने हेतु एक सामूहिक ग्रुप का आयोजन किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा 25 जुलाई 2018 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती विजी षाजन, अध्यक्ष एवं अन्य सदस्य, मुलवुकाडु ग्राम पंचायत, डॉ. मधुसूदनन, एन एस एस समन्वयक, सेंट आल्बर्ट्स कॉलेज, एरणाकुलम, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के सभी प्रभागों के अध्यक्ष एवं कर्मचारी और अन्य स्वयं सहायक उपस्थित थे।



मुख्यालय में ग्रीन ब्रिगेड का प्रारंभिक कार्यक्रम

- डॉ. एल्दो वर्गीस, वैज्ञानिक, मात्स्यिकी संपदा निर्धारण को समाज विज्ञान के विषय गुप में भा कृ अनु प के उत्कृष्ट युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (वर्ष 2017) प्राप्त हुआ। डॉ. एल्दो को कृषि एवं मात्स्यिकी परीक्षणों में उत्पाद और प्रक्रिया अनुकूलन हेतु लागत

अनुकूल डिजाइन विषय पर अनुसंधान के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार में 30 लाख रुपए और विदेश में प्रशिक्षण सहित तीन वर्ष की अवधि की चुनौती परियोजना तथा एक लाख रुपए का पुरस्कार और प्रशंसा पत्र शामिल हैं।



डॉ. एल्दो डॉ. राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री से पुरस्कार स्वीकार करते हुए

- डॉ. कालज चक्रवर्ती, समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग को समुद्री जैवपूर्वक्षण में अनुसंधान, विशेषतः समुद्री शैवाल से विविध औषधीय उत्पादों के विकास के लिए राफ़ी अहम्मद किद्वायी पुरस्कार प्राप्त हुआ। एक ओर्गानिक केमिस्ट होते हुए उन्होंने आर्थाइडिस, मधुमेह और कोलस्ट्रॉल के निवारण के लिए औषधीय उत्पाद विकसित किए, जिनके वाणिज्यिक उत्पादन के लिए पेटेंट या आउट-लाइसेंस प्राप्त हुआ है। पुरस्कार के अंतर्गत 5 लाख रुपए और प्रशंसा पत्र शामिल हैं।
- श्रीमती मुक्ता एम., वैज्ञानिक, विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र को प्राणिविज्ञान विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय द्वारा पी एच.डी उपाधि प्रदान की गयी। उन्होंने डॉ. जी. महेश्वरुडु, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और प्रोफसर श्री रामुलु, प्राणिविज्ञान प्रभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन से “पश्चिम बंगाल उपसागर के लॉगटैल बटरफ्लाई रे जिम्नूरा पोइसिलूरा (शा, 1804) के जीवविज्ञान एवं स्टॉक निर्धारण पर अध्ययन” विषय पर काम किया।



- डॉ. आर. शरवणन, वैज्ञानिक ने भारतीय समुद्री जीवविज्ञान संघ द्वारा 11-12 अप्रैल, 2018 के दौरान आयोजित समुद्री कचरे पर राष्ट्रीय सम्मेलन COMAD 2018 में ‘ग्रीन रामेश्वरम परियोजना’ के योगदान हेतु उत्कृष्ट सफलता की कहानी पुरस्कार जीता।

- डॉ. अनुश्री वी. नायर को अपने ‘भारत के कोचीन के उष्णकटिबंधीय नदीमुख आवास तंत्रों के बासिलस सबटिलिस एम बी टी डी सी एम एफ आर आइ बी ए 37 और स्कुडोमोनास एरुगिनोसा एम बी टी डी सी एम एफ आर आइ पी एस 04 के नोवल एन्टीमाइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स के जैवपूर्वक्षण और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन में इसका प्रयोग’ विषयक पी एच.डी के अनुसंधान कार्य के लिए जवहरलाल नेहरू पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस कार्य के अंतर्गत समुद्री पर्यावरण से शक्य प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया का विलगन किया गया और जलजीव पालन व्यवहार में उपयोगार्थ चिंगट डिभक खाद्य में प्रतिपूरक के रूप में इसका प्रयोग किया गया। डॉ. के. के. विजयन, प्रधान वैज्ञानिक एवं भूतपूर्व अध्यक्ष, एम बी टी डी के मार्गदर्शन में उन्होंने यह कार्य किया। वे अब संस्थान के समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग में कार्यरत हैं।



- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र को “एपिनिफेलस कोइओइडस और ट्रकिनोटस मूकाली के सफलतापूर्वक प्रजनन, बीज उत्पादन और डिभक पालन के लिए और आंध्रा प्रदेश की समुद्री मात्स्यिकी के नीति मार्गदर्शन के रूपायन” की दिशा में प्रभारी वैज्ञानिक एवं केन्द्र के कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के लिए अनुसंधान के लिए भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ टीम एक्सलेन्स पुरस्कार 2018 प्रदान किया गया।



डॉ. शुभदीप घोष, प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक से अनुसंधान के लिए भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ टीम एक्सलेन्स पुरस्कार 2018 स्वीकार करते हुए

मद्रास अनुसंधान केन्द्र

श्री छबिलेन्द्र राउल, आइ ए एस, माननीय विशेष सचिव (डेयर) एवं सचिव, भा कृ अनु प ने दिनांक 01 सितंबर 2018 को मद्रास अनुसंधान केन्द्र का दौरा किया और वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ विचार विमर्श किया। माननीय सचिव द्वारा बुलायी गयी संयुक्त बैठक में भा कृ अनु प-सी आइ बी ए और भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

मांगलूर अनुसंधान केन्द्र

- डॉ. चन्द्र गौडा, निदेशक, भा कृ अनु प-कृषि प्रौद्योगिकी प्रयोग अनुसंधान संस्थान (ए टी ए आर आइ), बंगलूरु ने दिनांक 26 सितंबर, 2018 को केन्द्र का दौरा किया।
- डॉ. एस. के. सक्सेना, निदेशक, निर्यात निरीक्षण एजेंसी, नई दिल्ली ने दिनांक 28 सितंबर, 2018 को केन्द्र का दौरा किया।



श्री. सी. राहुल, आइ ए एस के साथ मद्रास अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारी गण

कारवार अनुसंधान केन्द्र

- श्री प्रसन्ना के. पटगार, क्षेत्रीय निदेशक (पर्यावरण), वन, पर्यावरण एवं पारितंत्र, परिसर भवन, हब्बुवाडा, कारवार, श्री दिनेश कुमार वाय. के., क्षेत्रीय निदेशक (पर्यावरण), वन, पर्यावरण एवं पारितंत्र, मांगलूर, महेश कुमार, सहायक निदेशक (मात्स्यिकी), सी आर इन्फ्रेड कार्यालय, मांगलूर और डॉ. प्रकाश मेस्ता, वैज्ञानिक, ऊर्जा एवं आर्द्र भूमि अनुसंधान गुप, सेन्टर ऑफ इकोलजिकल

सयन्स फील्ड स्टेशन, कुमता ने दिनांक 2 जुलाई, 2018 को केन्द्र का दौरा किया।

- डॉ. आर. सुरेश, सलाहकार, भारतीय कृषि कुशलता परिषद, श्री सुनिल एम. नायक, प्रमुख, दूरदर्शन राष्ट्रीय निर्माण टीम ने “ए एस सी आइ द्वारा मात्स्यिकी एवं जलजीव पालन में कुशलता विकास” विषय पर केन्द्र की कार्यविधियों के वीडियो कवरेज के लिए 17 सितंबर, 2018 और 20 सितंबर, 2018 को केन्द्र का दौरा किया।

मनोरंजन क्लब की कार्यविधियाँ

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी मनोरंजन क्लब द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त अरिगनार अण्णा गवर्नमेंट होस्पिटल

ऑफ इंडियन मेडिसिन, आरुम्बाक्कम के डॉ. बालमुरुगन, आयुर्वेदिक फिसिशियन की सहायता से दिनांक 1 सितंबर, 2018 को मुफ्त आयुर्वेदिक स्वास्थ्य अभियान भी आयोजित किया गया। इसके द्वारा 120 से अधिक व्यक्तियों ने लाभ

उठाया। इस दौरान मुफ्त रूप से दवा का वितरण भी किया गया।

(कर्मचारी मनोरंजन क्लब, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)



स्वतंत्रता दिवस समारोह



स्वास्थ्य अभियान का दृश्य



मद्रास अनुसंधान केन्द्र में 29 सितंबर, 2018 को मनोरंजन क्लब दिवस मनाया गया। डॉ. पी. लक्ष्मीलता, प्रभारी वैज्ञानिक एवं क्लब संरक्षक ने केन्द्र की मनोरंजन क्लब की लोगो का उन्मोचन किया और इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मद्रास अनुसंधान केन्द्र में मनोरंजन क्लब दिवस समारोह का दृश्य

सी एम एफ आर आइ को राजर्षि टंडन पुरस्कार

सी एम एफ आर आइ को 'ग' क्षेत्र के संस्थानों में वर्ष 2016-17 के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए नवीं बार राजर्षि टंडन पुरस्कार प्राप्त हुआ। नई दिल्ली में दिनांक 16 जुलाई, 2018 को आयोजित भा कृ अनु प स्थापना दिवस समारोह के दौरान डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और श्री नवीन कुमार यादव, सहायक निदेशक (रा भा) ने माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह से पुरस्कार प्राप्त किया। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और श्री परषोत्तम रूपाला, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री गण और डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा कृ अनु प भी इस अवसर पर उपस्थित थे।



निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री से पुरस्कार प्राप्त करते हुए

राजभाषा गौरव पुरस्कार

डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डॉ. इमेल्डा जोसफ, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी अध्यक्ष, समुद्री संवर्धन प्रभाग को हिन्दी पत्रिका मत्स्यगंधा

में प्रकाशित 'मछुआरों की आय बढ़ाने के लिए समुद्री संवर्धन प्रौद्योगिकियाँ' विषयक लेख के लिए प्रतिष्ठित राजभाषा गौरव पुरस्कार 2017-18 प्राप्त हुआ। विज्ञान भवन, नई दिल्ली में

दिनांक 14 सितंबर, 2018 को आयोजित हिन्दी दिवस समारोह में श्री वेंकय्या नाइडु, माननीय उप-राष्ट्रपति से उन्होंने पुरस्कार स्वीकार किया।



डॉ. ए. गोपालकृष्णन श्री वेंकय्या नाइडु, माननीय उप-राष्ट्रपति से पुरस्कार स्वीकार करते हुए



डॉ. इमेल्डा जोसफ पुरस्कार स्वीकार करती हुई

हिन्दी कार्यशालाएं

कारवार अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 29 सितंबर, 2018 को 'राजभाषा नीति के मुख्य निर्देश' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

सामान्य व्याकरण और दैनिक कार्यालयी कामकाज में उपयोग की जाने वाली हिन्दी भाषा पर 18 अगस्त, 2018 को कार्यशाला

आयोजित की गयी। टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में 27 सितंबर, 2018 को बोलचाल की हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा निरीक्षण

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में दिनांक 8 सितंबर, 2018 को संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया गया। डॉ. प्रसन्नकुमार पाठसाणी, माननीय सांसद (लोकसभा), जो समिति का संयोजक थे, ने निरीक्षण बैठक की अध्यक्षता की। समिति के अन्य विशिष्ट सदस्य थे - डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड़, माननीय सांसद (लोकसभा), श्री प्रदीप टमटा, माननीय सांसद (राज्यसभा) और श्री सुशील कुमार गुप्ता, माननीय सांसद (राज्यसभा)। संस्थान के अतिरिक्त चक्रवात पूर्वानुमान केन्द्र, एयर इंडिया लिमिटेड और राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉर्पोरेशन का भी निरीक्षण किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, डॉ. प्रेम कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प मुख्यालय और डॉ. शुभदीप घोष, प्रभारी वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा समिति का स्वागत किया गया। संस्थान की मुख्य कार्यविधियों को दर्शाते हुए जीवित नमूनों के प्रदर्शन के अलावा संस्थान के सभी हिन्दी प्रकाशनों, पोस्टरों और उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। समिति ने केन्द्र के राजभाषा कार्यान्वयन कार्यविधियों का गंभीर रूप से निरीक्षण किया और राजभाषा के



विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में संसदीय समिति निरीक्षण रिपोर्ट प्रदान करने का दृश्य

सफलतापूर्वक कार्यान्वयन में संतोष प्रकट किया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक ने समिति की सहायता और प्रोत्साहन के लिए सभी सदस्यों को कृतज्ञता अदा की। श्री सी. मुरलीधरन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा), डॉ. इंदिरा दिविपाला,

वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र, श्री नवीन कुमार यादव, सहायक निदेशक (रा भा), भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, श्री मनोज कुमार, तकनीकी अधिकारी, राजभाषा और श्रीमती ई. के. उमा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, राजभाषा भी निरीक्षण बैठक में उपस्थित थे।



निरीक्षण बैठक का दृश्य



डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक से राजभाषा पर पुस्तक स्वीकार करते हुए

हिन्दी दिवस समारोह

संस्थान मुख्यालय में दिनांक 14 सितंबर 2018 को हिन्दी दिवस मनाया गया। इस दौरान माननीय गृह मंत्री श्री राज नाथ सिंह, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री

2018 मनाया गया। मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में 14 से 24 सितंबर 2018 के दौरान आयोजित हिन्दी सप्ताह समारोह के दौरान हिन्दी अनुवाद, निबंध लेखन, टिप्पण एवं आलेखन, तकनीकी

आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार, पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में 14 से 29 सितंबर



मद्रास अनुसंधान केन्द्र में हिन्दी सप्ताह समारोह का समापन कार्यक्रम



वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों की सहभागिता

राधा मोहन सिंह और सचिव, डेयर एवं महा निदेशक, भा कृ अनु प डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा जारी किए गए संदेशों को कर्मचारियों के बीच परिचालित किया गया।

संस्थान के विभिन्न केन्द्रों में भी विविध प्रकार की प्रतियोगिताओं के साथ हिन्दी सप्ताह

शब्दावली आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। मद्रास अनुसंधान केन्द्र में आयोजित हिन्दी सप्ताह समारोह का समापन कार्यक्रम 20 सितंबर 2018 को आयोजित की गयी, जिसमें श्री रनवीर सिंह, सहायक निदेशक (हिं शि यो, दक्षिण), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर

2018 और कारवार अनुसंधान केन्द्र में 29 सितंबर से 13 अक्तूबर 2018 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 14 से 22 सितंबर 2018 और टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में 12 से 20 सितंबर 2018 के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

प्रदर्शनियाँ

वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र ने कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग, गुजरात सरकार द्वारा 7-9 सितंबर 2018 के दौरान गांधी नगर में

आयोजित कृषि प्रौद्योगिकी पर एशिया की 8वीं प्रधान प्रदर्शनी (अग्री एशिया) में भाग लिया। मात्स्यिकी एवं इससे जुड़े हुए विषयों की



अग्री एशिया प्रदर्शनी के सी एम एफ आर आइ स्टॉल का दृश्य

जिला विकासात्मक कार्यविधियों के निरीक्षण के लिए 15वीं केन्द्रीय वित्त समिति के दौरे के अवसर पर 7-8 सितंबर 2018 के दौरान हयात पैलस, रामेश्वरम में समुद्री अलंकारी मछलियों, समुद्री मात्स्यिकी और पिंजरा मछली पालन कार्यविधियों की प्रदर्शनी आयोजित की गयी। डॉ. आर. शरवणन, श्री एम. शंकर, डॉ. एम. शक्तिवेल और डॉ. के. के. अनिकुट्टन, वैज्ञानिकों ने प्रदर्शनी का समन्वयन किया।

(मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र की रिपोर्ट)

विषिजम अनुसंधान केन्द्र द्वारा मलंकरा काथोलिक कॉलेज, कलियक्काविला, कन्याकुमारी जिला, तमिल नाडु में 6-8 सितंबर 2018 के दौरान संस्थान की प्रौद्योगिकियों को सार्वजनिक लोगों को दर्शाने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा 2018 की कार्यविधियाँ

संस्थान मुख्यालय और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों के कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2018 तक स्वच्छता ही सेवा 2018 कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2018 तक की अवधि के दौरान डॉ. आर. जयकुमार, प्रभारी वैज्ञानिक के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस संदर्भ में कर्मचारी आवास स्थान और मुनैकाडु मत्स्यन गाँव के समुद्री मछली पालन खेत से कचरा संग्रहण, केन्द्रीय विद्यालय परिसर की सफाई, अरियनकुन्डु गाँव से डॉ.ए.पी.जे.अब्दुलकलाम राष्ट्रीय स्मारक, पेरिकरुम्बु, रामेश्वरम द्वीप तक स्वच्छता ही सेवा की जानकारी कार्यक्रम, समतुवापुरम गाँव में लोक गीत, नुक्कड़ नाटक और नृत्य, डोर टू डोर बैठकों का आयोजन, गैर सड़ने योग्य और

सड़ने योग्य कचरे का अलगाव और मराइन फिशरीस पोस्ट ऑफीस के पास खाद के गड्ढे का निर्माण आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। धनुष्कोटी में पुराने चर्च और अंचालमुनै बीच, रामेश्वरम द्वीप में जागरूकता कार्यक्रम और स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच सफाई कार्य और स्वच्छता, सफाई और स्वच्छता के व्यवहार के संबंध में तमिल में तैयार किए गए पाम्फलेटों का वितरण किया गया।

मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में डॉ.प्रतिभा रोहित, प्रभारी वैज्ञानिक के नेतृत्व में कार्यालय परिसर, मात्स्यिकी पोताश्रय और समुद्र तटों सहित सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गयी। सफाई के कार्यों के अतिरिक्त जागरूकता कार्यक्रम, कार्यालय परिसर में सब्जी पैदावार की तैयारी तथा सब्जी की बागवानी के अनुरक्षण, मछली अपशिष्ट निपटान हेतु वर्मी कंपोस्ट के टैंक और

बयोगैस प्लांटों की स्थापना आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने भा.कृ.अनु.प-सी.आई.एफ.टी. और भारतीय तट रक्षक कार्यालय के सहयोग से सोमनाथ मंदिर के परिसर में प्लास्टिक कचरों के संग्रहण को बल देते हुए स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सरकारी स्कूलों (भीडिया और जलेश्वर), जहाँ अधिक छात्र मछुआरों के बच्चे हैं, के छात्रों के बीच सफाई और स्वच्छता का प्रदर्शन किया गया। स्कूल के छात्रों के लिए चित्र रचना प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। पुरी क्षेत्र केन्द्र में 18 सितंबर, 2018 को प्लास्टिक के उपयोग के विरुद्ध गुन्डिचा मंदिर से पुरी समुद्र तट तक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। पुरी क्षेत्र केन्द्र के सभी कर्मचारियों के सहयोग से दिनांक 2 अक्टूबर को मूल्यवान पौधों के रोपण किया गया।



कारवार अनुसंधान केन्द्र के टीम द्वारा समुद्र तट सफाई



पुरी क्षेत्र केन्द्र में पेड़ों का रोपण



मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में ए.पी.जे.अब्दुल कलाम स्मारक के पास जागरूकता अभियान



प्लास्टिक अपशिष्ट का अलगाव



मांगलूर अनुसंधान केन्द्र द्वारा चुने गए गाँवों में अपशिष्ट के पुनःचक्रण



मुम्बई अनुसंधान केन्द्र द्वारा वेसाँवा बीच की सफाई



टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र द्वारा मुल्लकाड़ बीच की सफाई



वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्कूल छात्रों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

उत्तरदायित्वपूर्ण विक्रय का प्रचार

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा उत्तरदायित्वपूर्ण विक्रय का प्रचार इस तरह सुनिश्चित किया जाता है कि उपभोक्ताओं को आपूर्ति की गयी मछली खाने के लिए सुरक्षित है और मछली बाजार साफ और स्वच्छ है। कृ वि कें द्वारा खाने के लिए सुरक्षित मछली स्रोत, साफ की गयी मछली का वितरण, मछली अपशिष्ट से उर्वरक और

स्वास्थ्य पूर्ण बिक्री आदि पर नियमित रूप से प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य पूर्ण एवं साफ खाने के लिए सुरक्षित मछली बाजार सजाने की प्रौद्योगिकी समर्थन भी किया जाता है। वाइपीन के कालमुक्कु मछली हार्बर में विषविमुक्त मत्स्य विपणी नामक बाजार कार्यरत है। मछली विक्रेताओं के लिए दिनांक 18 जुलाई,

2018 को मछली पालनकार विकास एजेंसी (एफ एफ डी ए), एरणाकुलम द्वारा प्रायोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भा कृ अनु प-सी एम आर आइ, कोच्ची में कार्यरत एन आइ सी आर ए परियोजना के अंतर्गत ऑनलाइन मछली विक्रेताओं को भी कृ वि कें द्वारा तकनीकी सहायता दी जाती है।

पेर्ल स्पोट मछली बीज उत्पादन पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम

सहभागिता आधार पर जिले के कई स्थानों में कृ वि कें के सैटलाइट उत्पादन केन्द्रों (एस पी सी) के मछुआरों द्वारा पेर्ल स्पोट मछली के बीज उत्पादन में की गयी सफलता को देखते हुए चुने गए 74 मछली पालनकारों के लिए

अपने पालन खेतों में एस पी सी विकसित करने के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी), हैदराबाद के वित्तीय समर्थन से दिनांक 31 जुलाई से 2 अगस्त,

2018 तक सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 7 एस पी सियों से कृ वि कें का वार्षिक पेर्ल स्पोट मछली बीज उत्पादन हर एक मछुआरे को पर्याप्त आय सहित 1.75 लाख है।

कार्प मछली के उंगलिमीनों के लिए सैटलाइट उत्पादन केन्द्र का परिचालन

एरणाकुलम के कोतमंगलम में कार्यरत एक सैटलाइट उत्पादन केन्द्र (एस पी सी) से कृ वि कें द्वारा जयंती रोहु मछली के उंगलिमीनों का वितरण शुरू किया गया। कृ वि कें ने जयंती रोहु (बेहतर किस्म) का अंडजनन भा

कृ अनु प-केन्द्रीय मीठा पानी जलजीव पालन संस्थान, भुवनेश्वर से कराया गया और मछुआरों के साथ वापस खरीदने के समझौते पर एस पी सी में उंगलिमीन के आकार तक पालन किया गया। कृ वि कें द्वारा 26 से 30 सितंबर

2018 तक जयंती रोहु विपणन मेला आयोजित किया गया जिसमें 5-8 से.मी. के आकार के 15,000 उंगलिमीनों का विपणन किया जा सका।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ को कृ वि कें-लक्षद्वीप का प्रशासनिक नियंत्रण

कृ वि कें-लक्षद्वीप का प्रशासनिक नियंत्रण 22 मई, 2018 के प्रभाव से भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ को सौंपे जाने के भा कृ अनु प के निर्णय के फलस्वरूप संस्थान ने भा कृ अनु प-केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सी आइ ए आर

आइ), पोर्ट ब्लेयर से कार्यभार ग्रहण किया। कृ वि कें-लक्षद्वीप का प्रबंधन वर्ष 1999 में इसके प्रारंभ से लेकर वर्ष 2016 में भा कृ अनु प-सी आइ ए आर आइ, पोर्ट ब्लेयर को कार्यभार दिए जाने तक कृषि विभाग, लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता था।

अब संस्थान द्वारा बनायी गयी कार्य योजनाओं में, द्वीपों में नारियल और उच्च मूल्य वाली महासागरीय ट्यूना जैसे द्वीप के लिए विशिष्ट कृषि संसाधनों का क्षमतापूर्वक दोहन प्रमुख है।

- भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में अंतर्राष्ट्रीय परियोजना-LENFEST के भाग के रूप में 'पारिस्थितिक तंत्र निर्धारण एवं मात्स्यिकी प्रतिमान' विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी, सी एस आइ आर ओ, ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिनांक 24-28 सितंबर, 2018 के दौरान पारिस्थितिक तंत्र निर्धारण का मानक: व्यावहारिक पारिस्थितिक तंत्र पर आधारित मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए सूचक का आयोजन किया गया। डॉ. के. एस. मोहम्मद, डॉ. टी.वी.सत्यानंदन, डॉ. आर.नारायणकुमार, डॉ. सोमी कुरियाकोस, डॉ. एल्दो वर्गीस, डॉ. पी.शेल्टन, डॉ. पी. शिनोज, डॉ. यु.गंगा, डॉ. सुजिता तोमस, डॉ. गीता शशिकुमार, डॉ. के. जी. मिनी,



लेनफेस्ट प्रशिक्षण कार्यशाला के सहभागियों का द्रश्य

कार्यक्रम में सहभागिता

- डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक ने नई दिल्ली में दिनांक 16 जुलाई, 2018 को आयोजित भा कृ अनु प के 90वां स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।
महानिदेशक, भा कृ अनु प की अध्यक्षता और सचिव, भा कृ अनु प, उप महानिदेशक (एफ एस) और निदेशक (पी) की अध्यक्षता में ए पी शिन्डे सिंफोनियम हॉल, एन ए एस सी समुच्चय, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित कैडर समीक्षा बैठक में भाग लिया।
भा कृ अनु प-एन ए ए आर एम, हैदराबाद के सहयोग से ए एस सी आइ, हैदराबाद द्वारा 23 जुलाई 2018 को "भा कृ अनु प के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रभावकारी संगठनात्मक नेतृत्व विकास पर वरिष्ठ अभियंता विकास कार्यक्रम (एस ई डी पी)" विषय पर कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के सहभागियों का अनुभव बांटने हेतु सचिव, डेयर एवं महा निदेशक, भा कृ अनु प की अध्यक्षता में बुलाई गयी बैठक में भाग लिया।
"उष्णकटिबंधीय समुद्री पख मछली बीज उत्पादन और पालन प्रौद्योगिकियाँ" विषय पर 14 अगस्त 2018 को आयोजित राइटशोप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. पी.यु.जक्करिया, डॉ. जोसिलीन जोस, डॉ. एस. लक्ष्मी पिल्लै, डॉ. टी.एम.नजमुद्दीन, डॉ. के.एम.राजेश, डॉ. लिवी विल्सन, डॉ. रेखा देवी चक्रवर्ती और श्री विनय कुमार वास ने कार्यशाला में भाग लिया।

- डॉ. ग्रिनसन जोर्ज ने "क्षेत्रीय महासागर शासन ढांचा, युनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन ऑन दि लॉ ऑफ दि सी (यु एन सी एल ओ एस) और दक्षिण पूर्व एशियन समुद्रों और हिंद महासागर में इससे संबंधित प्रभाव" विषय पर हुवा हिन, प्रच्चाप खिनखान, थायलान्ड में 1-28 जुलाई, 2018 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. श्रीनिवास राघवन वी., वैज्ञानिक ने भा

कृ अनु प-केन्द्रीय खारा पानी अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में "जलजीव पालन जीनोमिक्स एवं बयोइन्फोमाटिक्स" विषय पर 22 अगस्त से 1 सितंबर 2018 के दौरान आयोजित व्यावहारिक प्रशिक्षण में भाग लिया।

- डॉ. एन. अश्वती ने एम ए एन ए जी ई, हैदराबाद में 10-12 सितंबर, 2018 के दौरान 'अग्री स्टार्ट-अप के लिए विपणन एवं नेटवर्क श्रृंखलाएं' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लिया।
- श्री राजन कुमार ने भा कृ अनु प-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्ची में "मात्स्यिकी अनुसंधान एवं प्रबंधन के लिए उन्नत सांख्यिकी तरीके और कंप्यूटेशनल सोफ्टवेयर" विषय पर 17-26 जुलाई 2018 के दौरान आयोजित दस दिवसीय अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- श्री के. रामसामी, तकनीकी सहायक ने सी आइ ए ई, भोपाल में 17-23 जुलाई 2018 के दौरान ऑटोमाबाइल अनुरक्षण, रोड सुरक्षा और आचरण कुशलता विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्रीमती जुलेखा, स्टेनो-III ने 'क्षमता वर्धन एवं आचरण कुशलता' विषय पर 24-29 सितंबर, 2018 के दौरान भा कृ अनु प-एन ए ए आर एम, हैदराबाद द्वारा भा कृ अनु प-सी आइ एफ ई, मुम्बई में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

विशेषज्ञ समिति की अंतिम बैठक में भी भाग लिया।

- डॉ. पी.यु.जक्करिया ने जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा पर सहकारी अनुसंधान प्रारंभ करने के संबंध में केरल पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पूक्कोड, वयनाड में दिनांक 25 जुलाई 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- डॉ. प्रतिभा रोहित ने कृ वि केंद्र परिसर, मंगलूरु में 25 सितंबर 2018 को आयोजित कृषि विज्ञान केन्द्र की सलाहकार समिति बैठक में मात्स्यिकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. प्रतिभा रोहित और डॉ. ए. पी. दिनेशबाबु ने बुल आनायन और प्रकाश मत्स्यन के रोध पर 27 जुलाई 2018 को जिला आयुक्त कार्यालय, उडुपी में जिला आयुक्त की अध्यक्षता और उडुपी जिले से विधान सभा में चुने गए सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित मछुआरा एवं हितधारक बैठक में भाग लिया।
उन्होंने निर्यात निरीक्षण परिषद, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूरु अनुसंधान केन्द्र में टिकाऊ निर्यात अवसर के लिए समुद्री सेक्टर में कुशलता वर्धन: राज्य तथा यू टी

मात्स्यिकी विभागों द्वारा वर्धित कार्यालयीन नियंत्रण विषय पर 24-28 सितंबर 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

- **डॉ. ए. पी. दिनेशबाबु, डॉ. सुजिता तोमस, डॉ. के. एम. राजेश और डॉ. जी. बी. पुरुषोत्तम** ने कर्नाटक के तटीय लोगों की आजीविका बढ़ाए जाने के उद्देश्य से सी इज़ेड एम पी के दूसरे चरण के भाग के रूप में तटीय एवं समुद्री विकासात्मक कार्यक्रमों की साध्यताओं के मूल्यांकन हेतु वन, परिस्थिति एवं पर्यावरण विभाग, कर्नाटक द्वारा दिनांक 2-4 जुलाई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. आर. नारायणकुमार** ने भा कृ अनु प संस्थानों के श्रेणीकरण प्रपत्र विकास पर एन ए ए आर एम, हैदराबाद में 20 जुलाई, 2018 को आयोजित बुद्धिशीलता कार्यशाला में भाग लिया।
मत्स्यन बेड़ा तकनो-आर्थिक निष्पादन पुनरीक्षण पर चेन्नई में 18-20 सितंबर 2018 को आयोजित एफ ए ओ/बी ओ बी पी विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया।
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में 30 अगस्त, 2018 को आयोजित आइ एम सी की बैठक के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- **डॉ. जे. जयशंकर** ने विश्व बैंक के कार्मिकों द्वारा तमिल नाडु में 9-13 जुलाई, 2018 और 24-25 सितंबर 2018 को आयोजित पुनरीक्षण बैठक में एफ आइ एम एस यु एल-II घटक-III की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण किया।
- **डॉ. पी. यु. ज्ञकरीया और डॉ. टी. एम. नजमुद्दीन** ने एन ए एस सी, नई दिल्ली में 7 और 8 अगस्त, 2018 को आयोजित एन आइ सी आर ए की छठी वार्षिक पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. बिन्दु सुलोचनन** ने मांगलूर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ' विषय पर 10 जुलाई, 2018 को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में "समुद्री अपशिष्ट प्रदूषण" पर प्रस्तुतीकरण किया।
- **डॉ. गीता शशिकुमार** ने दक्षिण कन्नड़ जिले में परिस्थिति स्मार्ट गाँव का प्रस्ताव किए जाने हेतु सी एम एफ आर आइ की कार्यविधियों पर चर्चा करने के लिए 10 सितंबर 2018 को मांगलूर में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. पी. लक्ष्मीलता**, प्रभारी वैज्ञानिक, मद्रास अनुसंधान केन्द्र ने नीली क्रांति पर केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत पुदुच्चेरी संघ राज्य क्षेत्र में द्विकपाटी पालन और पिंजरा मछली पालन के कार्यान्वयन पर प्रस्तावित परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन का अंतिम रूप देने के संबंध में मात्स्यिकी निदेशक, पुदुच्चेरी के साथ दिनांक 03 अगस्त 2018 को

आयोजित चर्चा बैठक में भाग लिया।

मछुआरों का समाज-आर्थिक स्तर बढ़ाने के बदल उपाय के रूप में तमिल नाडु कुशलता विकास निगम के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तावित कुशलता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम पर चर्चा करने हेतु 18 अगस्त 2018 को मात्स्यिकी विभाग चेन्नई में आयोजित बैठक में भाग लिया।

- **डॉ. पी. लक्ष्मीलता और डॉ. आर. नारायणकुमार** ने टिकाऊ मत्स्यन (बचाव, सुरक्षा, नौचालन, प्रौद्योगिकी) के लिए प्रौद्योगिकियाँ और नवोन्मेष पर समुद्री प्रौद्योगिकी संघ-भारतीय अनुभाग, चेन्नई में 10 अगस्त 2018 को आयोजित 2वीं टेकसर्ज बैठक में भाग लिया और समुद्र में मात्स्यिकी प्रबंधन और सुरक्षा विषय पर प्रस्तुतीकरण किया।
- **डॉ. पी. लक्ष्मीलता और डॉ. एम. शिवदास** ने राज्य मात्स्यिकी विभाग, चेन्नई में 21 अगस्त 2018 को आयोजित क्षेत्रीय स्तर सह-प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. आर. नारायणकुमार, डॉ. जे. जयशंकर, श्री डी. पुगबेन्दी और श्री एन. रुद्रमूर्ति** ने एफ आइ एम एस यु एल-II घटक-III परियोजना के अंतर्गत द्विकपाटी पालन, मात्स्यिकी डेटाबेस विकास, द्विकपाटियों पर कार्ययोजना एवं विपणन सर्वेक्षण के पुनरीक्षण हेतु विश्व बैंक के परामर्शकों के साथ मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में 10 जुलाई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. आर. नारायणकुमार और डॉ. जो के. किष्कूडन** ने जलजीव पालन सेक्टर में स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम पर भा कृ अनु प-सी आइ बी ए, चेन्नई में 16 जुलाई, 2018 को आयोजित बुद्धिशीलता सत्र में भाग लिया।
- **डॉ. जयश्री लोका** ने समुद्र जीव संसाधन विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम में 20 जुलाई, 2018 को आयोजित बोर्ड ऑफ स्टडीस की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. बी. जोषनन** ने पोर्ट ब्लेयर, आंडमान एवं निकोबार द्वीप में 'मात्स्यिकी विकास योजना की कार्ययोजना' पर 6 सितंबर, 2018 को आयोजित चर्चा बैठक में भाग लिया।
डी ए डी एफ द्वारा 'समुद्री शैवाल पैदावार और समुद्री शैवाल उत्पादों का वाणिज्यीकरण' पर चर्चा करने हेतु कृषि भवन, नई दिल्ली में 18 जुलाई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
भा कृ अनु प संस्थानों के श्रेणीकरण प्रपत्र विकास पर एन ए ए आर एम, हैदराबाद में 20 जुलाई, 2018 को आयोजित बुद्धिशीलता कार्यशाला में भाग लिया।
- **श्री विवेकानन्द भारती** ने SAMUDRA कार्यक्रम (सैटलाइट बेस्ड मराइन प्रोसेस अन्डरस्टान्डिंग, डेवलपमेन्ट, रिसर्च एंड एप्लिकेशन फोर ब्लू इकनोमी) पर अंतरिक्ष प्रयोग केन्द्र (एस ए सी), अहमदाबाद में 10

जुलाई, 2018 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

- **डॉ. एम. के. अनिल** ने सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र में बहुजीवों के हैचरी समुच्चय की स्थापना के लिए 11 सितंबर, 2018 को आयोजित महाराष्ट्र सरकार के कार्मिकों की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. के. एन. सलीला** ने केरल के विषिजम के तटीय समुद्र पर तट संपाश मात्स्यिकी पर तलमार्जन से होने वाले बुरे प्रभाव पर चर्चा करने हेतु 11 सितंबर, 2018 को प्रबंध निदेशक एवं सी ई ओ, विषिजम अंतर्राष्ट्रीय सीपोर्ट द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. पी. एस. आशा और डॉ. सी. पी. सुजा** ने तमिल नाडु वन विभाग द्वारा तूतुकुडी में 5 जुलाई, 2018 को आयोजित जैवविविधता समिति की जिला स्तर की बैठक में भाग लिया।
- **श्री लिंग प्रभु** ने 'मैंग्रोव, गीली भूमि और प्रवाल भित्तियों का परिरक्षण एवं प्रबंधन' पर 12 जुलाई, 2018 को प्रधान मुख्य वन परिरक्षक एवं मुख्य वन्य जीवी वार्डन, तमिल नाडु वन विभाग, चेन्नई में आयोजित राज्य स्तरीय स्टीरिंग समिति बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. पी. एस. आशा** ने भारतीय वन्य जीवी संस्थान, दहरादून में 3 सितंबर, 2018 को समुद्री ककड़ियों पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्शक कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. एस. लक्ष्मी पिल्लै** ने विल्लिंगडन द्वीप, कोच्ची में 28 अगस्त, 2018 को आयोजित भारतीय समुद्री निर्यातक संघ (एस ई ए आइ) के हितधारकों की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. एल. रंजित** ने टूटिकोरिन में जी ई एफ-यु एन डी पी-जी ओ अरइ एन ए टी सी ओ एम के अंतर्गत भारत में प्रवाल भित्ति आवास तंत्र के प्रबंधन के लिए द्रुत प्रतिक्रिया योजना विषय पर 23 और 24 अगस्त, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **श्री एम. शंकर** ने पशु चिकित्सा कॉलेज, चेन्नई के बयोइन्फोर्माटिक्स सेन्टर और ए आर आइ एस सेल में 'पालन किए जाने वाले जीवों की उत्पादकत बढ़ाने हेतु जीनोमिक्स एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण' पर 6-10 अगस्त, 2018 को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. आर. शरवणन** ने विवेकानन्द कॉलेज, कन्याकुमारी में गोबियोइड मछलियों पर 10-11 अगस्त, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **श्री नवीन कुमार यादव**, सहायक निदेशक (रा भा), **श्रीमती ई. के. उमा**, ए सी टी ओ (हिन्दी अनुवादक) और **श्रीमती वन्दना वी.**, तकनीकी सहायक (हिन्दी अनुवादक) ने भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी, कोचीन में 'राजभाषा के प्रयोगात्मक उपयोग' विषय पर 23 जुलाई, 2018 को आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में भाग लिया।

नियुक्तियाँ			
नाम	पदनाम	केन्द्र	प्रभावी तारीख
श्री नीलेश अनिल पवार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	मुम्बई अनुसंधान केन्द्र	20.10.2016
श्री महेन्द्र कुमार डी. फोफाण्डी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र	22.10.2016
डॉ. विकास पी. ए., वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एस एम एस-मात्स्यिकी)	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (एस एम एस-मात्स्यिकी)	भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ का (कृ वि कें)	07.12.2016
श्री सी. डी. मनोहरन, वैयक्तिक सहायक	निजी सचिव	भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	02.07.2018
श्रीमती एम. आर. श्रीदेवी, कनिष्ठ लेखा अधिकारी	लेखा अधिकारी	भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	12.07.2018
स्थानांतरण			
नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
डॉ. ए. के. अब्दुल नाज़र, प्रधान वैज्ञानिक	मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र	मद्रास अनुसंधान केन्द्र	13.08.2018
अंतर-संस्थानीय स्थानांतरण			
नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
डॉ. अब्दुल गफूर वी. एम., वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (मुर्गी पालन एवं पशु विज्ञान)	भा कृ अनु प- सी आइ ए आर आइ, पोर्ट ब्लेयर	भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ का (कृ वि कें), लक्षद्वीप	01.06.2018
डॉ. रेष्मा गिल्स, वैज्ञानिक	भा कृ अनु प- आइ ए आर आइ, नई दिल्ली	भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	09.07.2018
पदत्याग			
नाम	पदनाम	प्रभावी तारीख	केन्द्र
श्री मिथुनराज एन. के.	तकनीशियन	15.09.2018 (अपराह्न)	विषिजम अनुसंधान केन्द्र
श्री बिसुन भास्कर	स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ	29.09.2018 (अपराह्न)	मांगलूर अनुसंधान केन्द्र

अधिवर्षिता की आयु पर सेवानिवृत्तियाँ



डॉ. वीरेन्द्र वीर सिंह
प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक
30.09.2018
सी एम एफ आर आइ मुम्बई अनुसंधान केन्द्र



श्री सी. उण्णिक्कणन
तकनीकी अधिकारी
30.09.2018
विषिजम अनुसंधान केन्द्र



श्री सी. के. सजीव
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
30.09.2018
मुम्बई अनुसंधान केन्द्र



निधन

श्री जितेश टी. डी.
स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ
08.09.2018
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची



स्वतंत्रता दिवस समारोह 2018 के अवसर पर रोशनीदार संस्थान का दृश्य



कडलमीन

सी एम एफ आर आई समाचार

कडलमीन, सी एम एफ आर आई समाचार केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोचीन का तिमाही प्रकाशन है। यह प्रकाशन तिमाही के दौरान संस्थान की प्रमुख कार्यविधियों पर विवरण देने के साथ-साथ अनुसंधान क्षेत्र की नयी गतिविधियों और सफलताओं पर प्रकाश डालता है और प्रौद्योगिकी जानकारी को मछुआरा समुदाय तक प्रसारित करता है।